हिन्दी साप्ताहिक

RNI No. UPHIN/2011/43668

जनवीणा

WWW.JANVEENA.COM

स्वर जन-मन का...

वर्ष : 13 | अंक : 14 | लखनऊ, 14 मार्च, 2024 | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रूपये

असीमित संभावनाओं वाले राज्य को कुछ लोगों ने बीमारू बनाकर रखा था: योगी आदित्यनाथ

लखनऊ (यूएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को बिना नाम लिए पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि असीमित संभावनाओं वाले उत्तर प्रदेश को कुछ लोगों ने 'बीमारू राज्य बना रखा था।

आदित्यनाथ ने बुधवार को लोक भवन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में यह बात कही। एक बयान के अनुसार इस दौरान उन्होंने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उपक्रम (एमएसएमई) क्षेत्र के लिए 30,826 करोड़ रुपये का मेगा ऋण वितरण किया। साथ ही उन्नाव में स्वीकृत 'प्लेज पार्क के विकासकर्ताओं को चेक वितरित किया। उन्होंने औद्योगिक आस्थानों में भूखंडों के आवंटन के लिए ऑनलाइन पोर्टल को भी जारी किया। बयान के अनुसार मुख्यमंत्री

ने इस अवसर पर 'ओडीओपी एवं 'विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के अंतर्गत टूलकिट भी वितरित की। राज्य की राजधानी में एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) मंत्रालय के लिए मेगा ऋण वितरण कार्यक्रम में आदित्यनाथ ने कहा कि यह नये भारत का नया उत्तर प्रदेश है। उन्होंने कहा, ''इसे लेकर बनी पुरानी धारणा को हमने अपने सामर्थ्य से बदला है। आज हमारा हर सेक्टर सभी को उत्तर दे रहा है। उप्र पहले भी असीमित संभावनाओं वाला राज्य था, मगर कुछ लोगों ने इसे बीमारू बना रखा था। मुख्यमंत्री ने कहा, ''हमने इसे राष्ट्र निर्माण के अभियान के साथ जोड़कर युवाओं और उद्यमियों के विकास के पथ पर अग्रसर किया है।

आज इसका परिणाम देखने को मिल रहा है। उत्तर प्रदेश देश का अकेला राज्य है जहां युवा उद्यमियों को बिना ब्याज के पांच लाख रुपये का ऋण दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि चीन के उत्पादों को सरकार ने अपने बाजार से बहुत दूर कर दिया है, यही एमएसएमई इकाइयों की ताकत का परिणाम है। उन्होंने कहा, ''इससे बड़ा राष्ट्रवाद क्या हो सकता है, अगर हमारे घर का उत्पाद मार्केट में छा रहा है तो हमें भी उसे प्रोत्साहित करना होगा, प्रेरित करके प्लेटफार्म उपलब्ध कराना होगा। ये कितनी खुशी की बात है कि हमारा उत्पाद मार्केट में छा रहा है और दुश्मन देश का उत्पाद बाजार से दूर होता जा रहा है। आदित्यनाथ ने कहा कि आज दीपावली, विजया दशमी, ईद और क्रिसमस पर उत्तर प्रदेश के उत्पाद ही बाजार में देखने को मिल रहे हैं। उन्होंने कहा, ''हमारा उत्पाद अच्छा तो होता ही है, साथ ही हमारे उद्यमियों और कारीगरों को भी लगता है कि उनका भविष्य उज्ज्वल है। इस अवसर पर प्रदेश सरकार में एमएसएमई मंत्री राकेश सचान, मुख्य सचिव दुर्गाशंकर मिश्र, अपर मुख्य सचिव अमित मोहन, सचिव प्रांजल यादव, आयुक्त एवं निदेशक राजेश कुमार सहित विभागीय अधिकारी, उद्यमी और हस्तशिल्प कारीगर मौजूद रहे।

मुजफ्फरपुर में बोलेरो को ट्रक ने मारी टक्कर, 5 लोगों की मौत

मुजफ्फरपुर बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में बुधवार की सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हो गए। हादसा इतना भयानक था कि बोलेरो गाड़ी के परखच्चे उड़ गए है। बताया जाता है कि ये सभी एक शादी के कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। वहीं से घर वापसी के दौरान ये हादसा हुआ है।जानकारी के मुताबिक, घटना जिले के रामपुर हरी थाना क्षेत्र के मकसूदपुर की है। मृतकों की पहचान शुभम महतो, विपिन महतो, करी धागर, परधुमन धागर और इंद्र कुमार धागर के रूप में हुई हैं। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि सीतामढ़ी जिले के रुन्नीसैदपुर के बैलगर से चकिया बारात गई थी।

बुधवार को बारात में शामिल होकर सभी बोलेरो गाड़ी में सवार होकर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान रामपुर हरी थाना क्षेत्र के मकसूदपुर के पास एक अनियंत्रित ट्रक ने बोलेरो को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हो गए। हादसा इतना भयानक था कि बोलेरो गाड़ी के परखच्चे उड़ गए है।

चुनावी बॉन्ड के आँकड़े निर्वाचन आयोग को सौंपे

नयी दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने बुधवार को दायर एक अनुपालन हलफ्नामे में सुप्रीम कोर्ट को बताया कि उसने भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) को चुनावी बॉन्ड पर डिजिटल आँकड़े सौंप दिए हैं। एसबीआई के चेयरमैन द्वारा दिए गए हलफ्नामे में कहा गया है कि मंगलवार को कारोबार का समय समाप्त होने से पहले संविधान पीठ के फैसले के अनुरूप सभी आवश्यक विवरणों के साथ चुनाव आयोग को एक सीलबंद लिफाफा सौंपा गया था, जिसमें दो पीडीएफफाइलें थीं।

पीएम मोदी ने 1.25 लाख करोड़ रुपये की तीन सेमीकंडक्टर परियोजनाओं की रखी आधारशिला

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये करीब सवा लाख करोड़ रुपये की तीन सेमीकंडक्टर परियोजनाओं की आधारशिला रखी। तीनों परियोजनाओं में से दो गुजरात के धोलेरा और साणंद तथा एक असम के मोरीगांव में स्थापित होंगी।पीएम मोदी ने कहा कि इस कदम से देश में सेमीकंडक्टर्स और डिस्प्ले मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम के विकास में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि देश को वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग का नेतृत्व करने में सक्षम बनाने के लिए शुरू से अंत तक सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा भारत सेमीकंडक्टर मिशन की स्थापना की गई है। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर सभा को संबोधित करते कहा, आज, हम एक उज्ज्वल भविष्य की ओर छलांग लगाते हुए इतिहास रच रहे हैं।

ये परियोजनाएं भारत को सेमीकंडक्टर विनिर्माण में एक वैश्विक केंद्र बनने में मदद करेंगी।उन्होंने कहा, 21वीं सदी प्रौद्योगिकी-संचालित है और भारत में बने या डिजाइन किए गए इलेक्ट्रॉनिक चिप के बिना इसकी कल्पना नहीं की जा सकती है और यह भारत को आत्मनिर्भरता और आधुनिकता की ओर ले जाएगी। उन्होंने कहा, मेड इन इंडिया सेमीकंडक्टर चिप देश को आत्मनिर्भरता और आधुनिकता की ओर ले जाएंगी। देश को सेमीकंडक्टर विनिर्माण का केंद्र बनाने के वादे पर श्री मोदी ने कहा, जब भारत वादा करता होता है, तो भारत उसे पूरा करता है और लोकतंत्र भी उसे पूरा करता है।सेमीकंडक्टर उद्योग के भविष्य के बारे में बात करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, आने वाले समय में हम सेमीकंडक्टर और संबंधित उत्पादों का व्यावसायिक उत्पादन शुरू करेंगे। भारत जल्द ही इस क्षेत्र में भी एक वैश्विक शक्ति के रूप में उभरकर सामने आयेगा।

सम्पादकीय

नैनीताल पर मंडराता खतरा

नैनीताल उत्तराखण्ड का एक रमणीय पर्यटन स्थल है, जो 1939 मीटर की ऊँचाई पर बसा है। यहां की नैनी झील के चारों ओर फैली पहाड़ियों के कारण यह एक कटोरेनुमा शहर है। इस सुंदर शहर की खोज कुछ अंग्रेजों ने 1839 में की थी जब वे किसी कार्य से घूमते हुए यहाँ पहुंचे थे। वर्ष 1841 में बेंटन तथा बेरन नामक दो अंग्रेजों ने इसे बसाने का कार्य प्रारंभ किया एवं 1842 में यहां 10 मकान स्थानीय सामग्री से बनाये। यहां के प्राकृतिक सौंदर्य से आकर्षित हो अंग्रेज यहां धीरे-धीरे बसने लगे एवं 1901 तक यहा की आबादी 7500 के लगभग हो गयी। वर्तमान में इसकी आबादी 80 हजार के आसपास है एवं इतने ही पर्यटक यहां गर्मी के मौसम में प्रति सप्ताह आते हैं। प्रसिद्ध भू-विज्ञानी प्रो. सीसी पंत के अनुसार नैनीताल शहर की भौगोलिक स्थिति यहां के अन्य शहरों से अलग है। शहर के बीच से गुजरने वाले एक प्रमुख श्भ्रंशश् (फाल्ट) के साथ छोटे-छोटे अन्य भ्रंश होने से यह शहर भूगर्भ के लिहाज से काफी संवेदनशील है। भूकम्प को लेकर बनाये गये जोन 04 में यह आता है। भूगर्भीय गतिविधियों से यहां भूकम्प के झटके एवं पहाड़ियों पर भूस्खलन होता रहता है। यहां की पहाड़ियों पर भूस्खलन 1867 से ही हो रहा है। इसके बाद 1880, 1886, 1924, 1962 और 1970 में भी भूस्खलन हुए। यह भी पाया गया कि यहां 1962 के बाद भूस्खलन की रफ्तार बढ़ी। कहीं यह भी उल्लेखित है कि 1880 की किसी भूकम्पीय गतिविधि से मल्लीताल झील मैदान में तब्दील हुई थी। धारण क्षमता (कैरींग केपेसिटी) से ज्यादा निर्माण कार्य, वन-विनाश, खनन कार्य, कमजोर जल-मल प्रणाली आदि वजहों से वर्तमान में शहर के तीनों ओर की पहाड़ियां भूस्खलन से दरक रही हैं, जिससे शहर खतरे में है। वर्ष 1900 में जब यहां की धारण क्षमता जानने की मांग उठी थी तब अध्ययन के आधार पर इसे 5000 की आबादी के लायक बताया था। कई प्रकरणों में सुप्रीमकोर्ट तथा राज्य की हाईकोर्ट ने झील के चारों तरफपहाड़ियों की कमजोर ढलानों पर निर्माण कार्य प्रतिबंधित करने को कहा था। कुमाऊ विश्वविद्यालय ने अपने एक अध्ययन में 2016 में बताया था कि वर्ष 2005 से 2015 के मध्य प्रतिबंधित क्षेत्रों में 50 प्रतिशत निर्माण कार्य ज्यादा हुए हैं। राज्य के हाईकोर्ट ने 2017 में नागपुर के राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी संस्थानश् (नीरी) को यहां की धारण क्षमता का फिर से अध्ययन करने हेतु कहा था। वर्ष 2023 में मालरोड, टीफीन टॉप व व्यूपाइन्ट तथा आल्मा पहाड़ी पर हुए भूस्खलन की घटनाएं चेतावनी देती हैं कि नैनीताल भी जोशीमठ की राह पर अग्रसर है। यहां की प्रसिद्ध मालरोड पर फरवरी 23 में लंबी दरार देखी गयी थी। वर्ष 2004 एवं 2018 में लोअर मालरोड का बड़ा हिस्सा भूस्खलन के कारण टूटकर झील में समा गया था। आईआईटी एवं अन्य संस्थानों के अनुसार मालरोड के क्षेत्र में भूमि के नीचे कठोर चट्टानें (हार्ड रॉक्स) नहीं होने से भूस्खलन होता रहता है। पिछले वर्ष मई माह में टीफीन टॉप तथा व्यूपाइन्ट के आसपास की पहाड़ियों पर दरारें आने से पर्यटकों की आवाजाही रोक दी गयी थी। सितंबर में आल्मा पहाड़ी के दरकनें से चार मकान ढ़ह गये थे एवं इससे घबराकर स्थानीय प्रशासन ने 250 अन्य मकान तुरंत खाली करवा लिये थे। यह पहाड़ी झील के ऊपर बांयी तरफसीधी खड़ी होने एवं नीचे से भुरभुरी होने के कारण ज्यादा संवेदनशील बताई गई है। प्रशासन के ध्यान नहीं देने से पिछले 25-30 वर्षों में यहां काफी निर्माण कार्य हुए हैं और यहां अभी 10 हजार के लगभग लोग रह रहे हैं। इस पहाड़ी पर अंग्रेजों के शासनकाल में 1880 में भारी भूस्खलन होने से 150 के लगभग लोग मारे गये थे जिनमें 42-43 अंग्रेज भी थे। भूस्खलन के 150 वर्ष पुराने इतिहास वाली बलिया नाला पहाड़ी भी दरक रही है। पिछले कुछ वर्षों से यहां भूस्खलन की रफ्तार बढ़ी है जो शहर तथा झील दोनों के लिए खतरनाक है। इस पहाड़ी की तलहटी से होकर झील का अतिरिक्त पानी ज्योलीकोट की ओर जाता है। वर्ष 2018 में इस पहाड़ी पर भूस्खलन के बाद यहां की कृष्णपुरा बस्ती के हजारों लोगों का सड़क से सम्पर्क टूट गया था। कुमाऊं विश्वविद्यालय के अध्ययन के अनुसार नैना-पीक की पहाड़ी पर दक्षिण-पश्चिम की तरफ65 मीटर लम्बी 1.5 मीटर चौड़ी तथा 2.5 मीटर गहरी दरारें देखी गयी हैं। मार्च 1987 तथा जुलाई 1988 में इस पहाड़ी पर हुए भूस्खलन से 500 परिवार प्रभावित हुए थे। इस पहाड़ी पर हो रहे भूस्खलन का विस्तृत अध्ययन कर भूवैज्ञानिक डॉ. केएस वाल्दिया ने सुरक्षा हेतु छरू उपाय बताये थे जिन पर कोई काम नहीं हुआ। पेयजल का प्रमुख स्त्रोत रही नैनी झील पर भी खतरे बताये जा रहे हैं। वर्षाकाल में आसपास की पहाड़ियों से आयी मिट्टी तथा छोटे-छोटे भूस्खलन से आये मलबे से यह उथली हो रही है एवं प्रदूषण भी बढ़ रहा है।

कुछ छोटे और बहुत से बड़े इरादों को लेकर आया है सीएए

डॉ. दीपक पाचपोर

ऐसे वक्त में जब देश आम चुनावों की दहलीज पर है, भारतीय जनता पार्टी की केन्द्र सरकार ने नागरिकता संशोधन अधिनियम (सिटीजनशिप अमेंडमेंट एक्ट- सीएए), 2019 को सोमवार को अधिसूचित कर अपने कई इरादों को जाहिर कर दिया है। भाजपा के एकमात्र चेहरे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की छवि में लगातार गिरावट तथा उनकी सरकार की सभी मोर्चों पर नाकामियां दर्ज होने के बाद सीएए लाना यही बतलाता है कि 10 वर्षों तक सरकार चलाने के बाद भी पार्टी का एकमात्र हथियार अब भी ध्रुवीकरण ही है। इतना ही नहीं, सीएए लागू करने के बाद केन्द्र सरकार अगर तीसरा कार्यकाल पाने में सफल हो जाती है तो वह और क्या करने जा रही है- इसका भी संकेत इसी में छिपा हुआ है। मोदी व भाजपा को तीसरी बार सत्ता में लाना देश के लिये कितना खतरनाक हो सकता है- सम्भवतरू यह समझ विपक्षी दलों एवं इंडिया गठबन्धन को इससे हो जानी चाहिये। हालांकि देखना यह भी होगा कि सीएए भाजपा ऐसे वक्त पर भी लेकर आई है जब वह इलेक्टोरल बॉड्स के मामले में सुप्रीम कोर्ट के कठघरे में है जहां से यह संदेश देश भर में चला गया है कि उसने देश के धनिक वर्ग से खूब पैसे बटोरे हैं। सीएए काफी समय से लम्बित था। 2019 में पहले लोकसभा और फिर राज्यसभा से यह पारित तो हो गया था परन्तु कोरोना के कारण इसे लागू नहीं किया गया था। इसका मकसद तीन पड़ोसी देशों- पाकिस्तान, बांग्लादेश एवं अफगानिस्तान से आने वाले वहां के अल्पसंख्यकों को नागरिकता प्रदान करना है जो उन देशों में धार्मिक रूप से प्रताड़ित हैं। ये सारे ही गैर मुसलिम समुदाय हैं। यह कह देना और इतना ही समझ लेना पर्याप्त नहीं है कि इलेक्टोरल बॉड्स पर सरकार की हो रही फजीहत से ध्यान बंटाने के लिये भाजपा सरकार सीएए लेकर आई है। राममंदिर का मुद्दा जिस प्रकार से औंधे मुंह गिरा है, भाजपा को साम्प्रदायिक मुद्दों की जरूरत अब भी बनी हुई है जो इसी चुनाव में और उसके बाद भी सामाजिक ध्रुवीकरण के विमर्श को जिलाये रखे। इस मामले को केवल यह मानकर भी परे नहीं सरका दिया जाना चाहिये कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कह दिया है कि श्यह नागरिकता छीनने का नहीं बल्कि पड़ोसी मुल्कों से आने वाले प्रताड़ित अल्पसंख्यकों को नागरिकता देने का कानून हैश् (31 दिसम्बर 2014 के पहले भारत में आ गये थे)। पहले भी जब यह कानून लाया गया था तभी यह साफहो गया था कि यह भेदभाव पर आधारित है क्योंकि इसमें म्यांमार जैसे देश के रोहिंग्या मुसलमान शामिल नहीं है जो वहां धार्मिक आधार पर प्रताड़ित हो रहे हैं। यह कानून उसी लाइन पर बना है जो भाजपा के साम्प्रदायिक एजेंडे के अनुकूल है। वैसे भी इसे तब मानवीयता के खिलाफ बतलाया गया था और देश की उस नीति के विरूद्ध भी जिसका आजादी के बाद से पालन होता आया है। 2019 में जब यह कानून आया था तब और अब की सामाजिक व राजनीतिक परिस्थितियों में बड़ा फर्क आया है। अब मोदी और उनकी पार्टी जो तीसरी मर्तबा सरकार में आने की इच्छुक है, वह देश में बड़े बदलाव लाने के इरादे रखती है। इनमें सर्वोपरि है संविधान को बदलना। इसे पार्टी की ओर से कभी स्पष्ट तौर पर तो नहीं घोषित किया गया है लेकिन संविधान को लेकर जो विचार पार्टी रखती है और कई बार भाजपा से जुड़े लोग यदा कदा जाहिर करते रहते हैं, वह सब इसी दिशा की ओर इंगित करता है। वैसे भी मोदी का दिया नारा श्अबकी बार 400 के पारश् भाजपा की जरूरत है जिसके बल पर संविधान को रद्द किया जा सकता है। इस लिहाज से देखें तो सीएए तो प्रवेश द्वार है जिसे पार करने के बाद राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) तथा राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) लागू करने का मार्ग प्रशस्त हो जावेगा। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जिस एनआरसी को असंवैधानिक करार दिया गया था, उसे नये रंग-रोगन के साथ भाजपा सरकार लागू करने पर आमदा है। मूल रूप से इसे लेकर असम एवं पश्चिम बंगाल में बड़ा असंतोष था (अब भी है)। भाजपा पहले भी इसे लागू करना चाहती थी पर विभिन्न कारणों से ऐसा वह कर नहीं पायी थी। तीसरी बार मोदी इन्हें लागू करने के लिये ही सत्ता में आना चाहते हैं। नागरिकों पर कई तरह से निगरानियां होने एवं नागरिकता छीनने के हथियार किसी भी सरकार के पास उपलब्ध हो जायेंगे तो नागरिक स्वतंत्रता का क्या होगा, इसकी सहज ही कल्पना की जा सकती है। पुराने दस्तावेजों के आधार पर लोगों की नागरिकता की शर्त को वे ही लोग पूरा कर सकेंगे जिनका जीवन सुव्यवस्थित व सुविधापूर्ण है। गरीब, दलित, अल्पसंख्यक, प्रवासी मजदूर, किसान, आदिवासियों जैसे वर्गों के लिये अपनी नागरिकता साबित करना मुश्किल हो जायेगा। यह आशंका पहले भी व्यक्त की गयी थी, अब उसका खतरा कहीं साकार रूप में सामने आता दिख रहा है। सीएए को लागू कर भाजपा ने एक तरह से इसका ऐलान कर ही दिया है। सीएए को लागू किया जाना विपक्ष को चेतावनी की घंटी के रूप में लेना चाहिये। यदि भाजपा को इस बार भी पूर्ण बहुमत मिलता है तो इसमें कोई शक नहीं कि भारत को एक बड़ा बदलाव देखना होगा। इसकी आशंका लगभग तभी से व्यक्त की जा रही है जब भाजपा को 2014 में सरकार बनाने का मौका मिला था। यदि अगले कार्यकाल में उसे बड़ा बहुमत मिला तथा उसकी सरकार बनती है तो संविधान में किसी भी तरह के बदलाव के लिये तैयार रहना होगा- लोकतांत्रिक प्रणाली के बदले एकदलीय व्यवस्था से लेकर राष्ट्रपति शासन व्यवस्था- कुछ भी लागू हो सकती है। एक ऐसा शासन देखने को मिल सकता है जिसमें भाजपा के अलावा सारे दल समाप्त हो सकते हैं और जिस कांग्रेस मुक्त से विपक्ष मुक्त भारत का सपना भाजपा देखती आ रही है- उसे वह पा सकेगी। सम्भावित प्रणाली में वह सब होता दिखेगा जिसकी झाकियां पिछले 10 वर्षों से देशवासी देखते आ रहे हैं। इसमें बहुसंख्यकों का वर्चस्व होगा व अल्पसंख्यक दोयम दर्जे के समझे जायेंगे। भाजपा के अनुषांगिक संगठन एवं मातृ संस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जिस मनुस्मृति का जिक्र बहुत आत्मीयता से करता है तथा उसे लागू होते देखना चाहते हैं, उसमें देर नहीं लगेगी। इसमें कोई शक नहीं कि भाजपा एवं उसके समविचारी संगठनों का भारतीय संविधान में कोई विश्वास नहीं है। विकल्प के रूप में उनके पास मनुस्मृति ही है। अगर ऐसा है तो एक बार फिर से भारतीय समाज गैरबराबरियों से परिपूर्ण होगा। बहुसंख्यकों व अल्पसंख्यकों के बीच ही नहीं वरन हिन्दुओं के बीच अगड़ों व पिछड़ों के बीच खाई गहराएगी। समाज का यह विभाजन ऊर्ध्वाधर एवं क्षैतिज दोनों ही होगा। यानी हिन्दू-मुसलिम टकराव के साथ सवर्णों की दलितों-पिछड़ों-अति पिछड़ों के साथ वैमनस्यता और भी बढ़ेगी- जो पहले भी चिंताजनक स्तर पर पहुंच गयी है। महिलाओं को पुरुषों के मुकाबले निम्नतर माना जायेगा। एक समाजवादी अर्थव्यवस्था के बदले देश में पूंजीवादी अर्थप्रणाली लागू होगी।

साप्ताहिक राशिफल

मेष राशिफल

अवांछित यात्राएँ थकाऊ साबित होंगी और बेचैनी का कारण बन सकती हैं। मांसपेशियों को आराम देने के लिए शरीर की तैल से मालिश करें। आज धन आपके हाथ में नहीं टिकेगा, आपको धन संचय करने में आज बहुत दिक़्क़तों का सामना करना पड़ सकता है। शाम के समय कुछ हँसी-ख़ुशी भरा वक़्त अपने बच्चों के साथ गुज़ारें। लवमेट आज आपसे किसी चीज की डिमांड कर सकता है लेकिन आप उसे पूरा नहीं कर पाएंगे जिसकी वजह से आपका लवमेट आपसे नाराज हो सकता है। यात्राओं से व्यावसायिक संबंधों में सुधार होगा। अगर आज आप यात्रा कर रहे हैं तो आपको अपने सामान की अतिरिक्त सुरक्षा करने की ज़रूरत है। आपका प्यार, आपका जीवनसाथी आपको कोई ख़ूबसूरत तोहफ़ा दे सकता है।

उपाय :– भैरव जी की पूजा करने से स्वास्थ्य लाभ होगा।

वृष राशिफल

ज़िंदगी का भरपूर लुत्फ़ उठाने के लिए अपनी महत्वाकांक्षाओं को क़ाबू में रखें। योग का सहारा लें, जो आध्यात्मिक, मानसिक और शारीरिक तौर पर स्वस्थ रखकर दिल और दिमाग़ को बेहतर बनाता है। जो लोग अब तक पैसे को बिना सोचे विचारे उड़ा रहे थे उन्हें आज पैसे की बहुत आवश्यकता पड़ सकती है और आज आपको समझ में आ सकता है कि पैसे की जीवन में क्या अहमियत है। जीवनसाथी के साथ ख़रीदारी मज़ेदार रहेगी। इससे आप दोनों के बीच की समझ में भी इज़ाफ़ा होगा। आज हो सकता है कि पहली नज़र में ही आपको कोई पसंद कर ले। आपको अपने भागीदार को आपकी योजना से जुड़े रहने के लिए मनाने में दिक़्क़त होगी। अपने मन पर काबू रखना सीखें क्योंकि कई बार आप मन की मानकर अपना कीमती समय बर्बाद कर देते हैं। आज भी आप ऐसा कुछ कर सकते हैं। अगर आप वैवाहिक तौर पर लंबे समय से कुछ नाख़ुश हैं, तो आज के दिन आप हालात बेहतर होते हुए महसूस कर सकते हैं।

उपाय :– चाँदी की अंगूठी कनिष्ठिका अँगुली में धारण करना नौकरी/बिज़नेस के लिए शुभ है।

मिथुन राशिफल

अपनी ऊर्जा का इस्तेमाल किसी मुश्किल में फँसे इंसान की मदद करने के लिए करें। याद रखें – यह शरीर तो एक-न-एक दिन मिट्टी में मिलने वाला है, अगर यह किसी के काम न आ सके तो इसका क्या फ़ायदा? जो लोग अब तक पैसे को बिना सोचे विचारे उड़ा रहे थे उन्हें आज पैसे की बहुत आवश्यकता पड़ सकती है और आज आपको समझ में आ सकता है कि पैसे की जीवन में क्या अहमियत है। विदेश में रह रहे किसी रिश्तेदार से मिला तोहफ़ा आपके लिए ख़ुशी लेकर आएगा। सिर्फ़ स्पष्ट समझ के माध्यम से आप अपनी पत्नी/पति को भावनात्मक सहारा दे सकते हैं। अहम लोगों से बातचीत करते वक़्त अपने आँख-कान खुले रखिए, हो सकता है आपके हाथ कोई क़ीमती बात या विचार लग जाए। यात्रा और शिक्षा से जुड़े काम आपकी जागरुकता में वृद्धि करेंगे। आपका जीवनसाथी आपको पाकर ख़ुद को ख़ुशनसीब समझता है; इन पलों का भरपूर उपयोग करें।

उपाय :– अनन्तमूल की जड़ को लाल वस्त्र में लपेटकर अपने पास रखने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

कर्क राशिफल

तली-भुनी खाने की चीज़ों से किनारा करें। निवेश के लिए अच्छा दिन है, लेकिन उचित सलाह से ही निवेश करें। यह परिवार में दबदबा बनाए रखने की अपनी आदतों को छोड़ने का वक़्त है। ज़िंदगी के उतार-चढ़ाव में उनके कंधे से कंधा मिलाकर साथ दें। आपका बदला हुआ बर्ताव उनके लिए ख़ुशी का सबब साबित होगा। प्यार के मामले में आज आप ग़लत समझे जा सकते हैं। यह करिअर के मोर्चे पर उन बदलावों को करने का सही वक़्त है, जिनके बारे में आप लम्बे समय से सोच रहे हैं। कोई रोचक मैगजीन या उपन्यास पढ़ के आजके दिन को आप अच्छी तरह से व्यतीत कर सकते हैं। हँसी-मज़ाक के बीच आपके और आपके जीवनसाथी के बीच कोई पुराना मुद्दा उभर सकता है, जो फिर वाद-विवाद का रूप भी ले सकता है।

उपाय :– खिरनी की जड़ को सफ़ेद कपड़े में लपेटकर अपने पास रखने से हेल्थ में सुधार आएगा।

सिंह राशिफल

भाग्य पर निर्भर न रहें और अपनी सेहत को सुधारने की कोशिश करें, क्योंकि क़िस्मत ख़ुद बहुत आलसी होती है। अपने जीवनसाथी के साथ धन से जुड़े किसी मामले को लेकर आज आपका झगड़ा हो सकता है। हालांकि अपने शांत स्वभाव से आप सबकुछ ठीक कर देंगे। दफ़्तर के कामकाज में ज़्यादा व्यस्तता के चलते अपने जीवनसाथी के साथ आपका रिश्ता तनावपूर्ण हो सकता है। सम्हल कर दोस्तों से बात करें, क्योंकि आज के दिन दोस्ती में दरार पड़ने की आशंका है। अगर आप कई दिनों से कामकाज में दिक़्क़त महसूस कर रहे हैं, तो आज के दिन आपको राहत महसूस हो सकती है। इस राशि के जातक खाली वक्त में आज किसी समस्या का समाधान निकालने की कोशिश कर सकते हैं। मुमकिन है कि वैवाहिक जीवन में ठहराव से तंग आकर आपका जीवनसाथी आपके ऊपर फूट पड़े।

उपाय :– शिव जी की पूजा करें तो स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

कन्या राशिफल

अपने नकारात्मक रवैये के चलते आप प्रगति नहीं कर पा रहे हैं। यह इस बात को समझने का सही वक़्त है कि चिंता की आदत ने आपके सोचने की क्षमता को ख़त्म कर दिया है। हालात के उजले पहलू की ओर देखें और आप पाएंगे कि चीज़ें सुधर रही हैं। कुछ ख़रीदने से पहले उन चीज़ों का इस्तेमाल करें, जो पहले से आपके पास हैं। दूसरों को प्रभावित करने की आपकी क्षमता आपको कई सकारात्मक चीज़ें दिलाएगी। आपको उदार और स्नेह से भरे प्यार का तोहफ़ा मिल सकता है। अपना रवैया ईमानदार और स्पष्टवादी रखें। लोग आपकी दृढ़ता और क्षमताओं को सराहेंगे। इस राशि के लोगों को आज शराब सिगरेट से दूर रहने की जरुरत है क्योंकि इससे आपका कीमती समय बर्बाद हो सकता है। यह समय जीवन में आपको वैवाहिक जीवन का भरपूर आनन्द देगा।

उपाय :– शिवजी को पंचामृत से स्नान कराने से हेल्थ बनी रहेगी।

तुला राशिफल

आस-पास के लोगों का सहयोग आपको सुखद अनुभूति देगा। आज किसी विपरीत लिंगी की मदद से आपको करोबार या नौकरी में आर्थिक लाभ होने की संभावना है। रिश्तेदारों और दोस्तों से अचानक उपहार मिलेगा। आपका प्रिय को आपसे भरोसे और वादे की ज़रूरत है। कार्यक्षेत्र में आज आप अपने काम में प्रगति देखेंगे। समय का अच्छा इस्तेमाल करने के लिए आज आप पार्क में घूमने का प्लान बना सकते हैं लेकिन वहां किसी अनजान शख्स से आपकी बहस होने की अशंका है जिससे आपका मूड खराब हो जाएगा। जीवन साथी के स्वास्थ्य को लेकर आप चिंतित रह सकते हैं।

उपाय :– काले सफेद वस्त्र में लोहे की पांच कील व चूना लपेटकर जल प्रवाहित करने से प्रेम सम्बन्ध अच्छे रहेंगे।

वृश्चिक राशिफल

आप अपने सकारात्मक रवैये और आत्मविश्वास की वजह से आस-पास के लोगों को प्रभावित करेंगे। अचानक आए ख़र्चे आर्थिक बोझ बढ़ा सकते हैं। कोई ऐसा जिसके साथ आप रहते हैं, आपके लापरवाह और अनिश्चित बर्ताव की वजह से चिढ़ सकता है। ख़याली परेशानियों को छोड़ें और अपने साथी के साथ रोमांटिक समय बिताएँ। कार्यालय में कोई आपको कुछ बढ़िया चीज़ या ख़बर दे सकता है। आज घर में अधिकतर समय आप सो कर गुजार सकते हैं। शाम के वक्त आपको महसूस होगा कि आपने अपना कितना कीमती समय बर्बाद कर दिया। वैवाहिक जीवन के लिए विशेष दिन है। अपने जीवनसाथी को बताएँ कि आप उनसे कितना प्यार करते हैं।

उपाय :– लंगड़े-अपाहिज व्यक्ति की सेवा करने से आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी।

धनु राशिफल

आप आज ऊर्जा से भरपूर होंगे और कुछ असाधारण करेंगे। ग्रह नक्षत्रों की चाल आपके लिए आज अच्छी नहीं है, आज के दिन आपको अपने धन को बहुत सुरक्षित रखना चाहिए। अपने जीवन-साथी के साथ अपनी गोपनीय जानकारी बांटने से पहले सोच लें। अगर मुमकिन हो तो इससे बचें, क्योंकि इन बातों के बाहर फैलने का ख़तरा है। आपके प्रिय के कड़वे शब्दों के कारण आपका मूड ख़राब हो सकता है। काम और घर पर दबाव आपको थोड़ा गुस्सैल बना सकता है। किसी वजह से आज आपके ऑफिस में जल्दी छुट्टी हो सकती है इसका आप फायदा उठाएंगे और अपने परिवार के लोगों के साथ कहीं घूमने जाएंगे। मुमकिन है कि वैवाहिक जीवन में ठहराव से तंग आकर आपका जीवनसाथी आपके ऊपर फूट पड़े।

उपाय :– प्रेमी/प्रेमिका को नीले फूल गिफ्ट में देने से प्रेम सम्बन्धों में मजबूती आएगी।

मकर राशिफल

मुस्कुराएँ, क्योंकि यह सभी समस्याओं का सबसे उम्दा इलाज है। आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। घरेलू काम थका देने वाला होगा और इसलिए मानसिक तनाव की वजह भी बन सकता है। आज अपने ख़ूबसूरत कामों को दिखाने के लिए आपका प्रेम पूरी तरह खिलेगा। कामकाज के सिलसिले में आपके ऊपर ज़िम्मेदारियों का बोझ बढ़ सकता है। आज कुछ नया और सृजनात्मक करने के लिए अच्छा दिन है। वैवाहिक जीवन को अधिक सुखमय बनाने के आपके प्रयास उम्मीद से ज़्यादा रंग लाएंगे।

उपाय :– पिता अथवा गुरु के सुबह उठते ही पाँव छुए व सेवा करें। पारिवारिक जीवन सुख-शांतिमय

पं.कामेश्वरनाथ गुरु चतुर्वेदी मथुरा

रहेगा।

कुम्भ राशिफल

आज आप ख़ुद को सुकून में और ज़िंदगी का लुत्फ़ उठाने के लिए सही मनोदशा में पाएंगे। दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा। जिन लोगों के साथ आप रहते हैं वे आपसे बहुत ख़ुश नहीं होंगे, चाहे आपने इसके लिए कुछ भी क्यों न किया हो। यह दिन प्रसन्नता और ज़िन्दादिली के साथ किसी ख़ास संदेश को भी देगा। कामकाज में आ रहे बदलावों के कारण आपको लाभ मिलेगा। खाली समय में आज आप अपने मोबाइल पर कोई वेब सीरीज देख सकते हैं। आज आपको अपने जीवनसाथी से एक बार फिर प्यार हो जाएगा।

उपाय :– माता से सम्बन्ध अच्छे रखें व उनका भूलकर भी निरादर न करें। इससे फैमिली लाइफ अच्छी होगी।

मीन राशिफल

आपमें आज चुस्ती-फुर्ती देखी जा सकती है। आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। आज के दिन आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है लेकिन इसके साथ ही आपको दान-पुण्य भी करना चाहिए क्योंकि इससे आपको मानसिक शांति मिलेगी। दोस्त और रिश्तेदार आपकी मदद करेंगे और आप उनके साथ काफ़ी ख़ुशी महसूस करेंगे। अपने दिल की बात ज़ाहिर करके आप ख़ुद को काफ़ी हल्का और रोमांचित महसूस करेंगे। कामकाज में थोड़ी मुश्किल के बाद आपको दिन में कुछ अच्छा देखने को मिल सकता है। आप जिस प्रतियोगिता में भी क़दम रखेंगे, आपका प्रतिस्पर्धी स्वभाव आपको जीत दिलाने में सहयोग देगा। आप एक बेहतरीन जीवनसाथी होने की ख़ुशक़िस्मती को शिद्दत से महसूस कर पाएंगे।

उपाय :– अपने प्रेमी/प्रेमिका को समय-समय पर सफेद वस्तुएं गिफ्ट में देते रहें। इससे प्रेम सम्बन्धों में बढ़ोतरी होगी।

खाई में गिरी वैन, 4 की मौत

सासाराम। बिहार के रोहतास जिले के चेनारी थाना क्षेत्र में बुधवार को गुप्ताधाम जाने के क्रम में एक पिकअप वैन अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। इस दुर्घटना में चार लोगो की मौत हो गई, जबकि 20 लोग घायल बताए जा रहे हैं। मरने वालों में सभी महिलाएं हैं। पुलिस के मुताबिक, भोजपुर जिले के शाहपुर के कई लोग एक पिकअप वैन पर सवार होकर गुप्त धाम महादेव के मंदिर दर्शन के लिए जा रहे थे। इसी दौरान चेनारी थाना के गायघाट के समीप वैन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में जा गिरी।

राहुल गांधी ने की महिला न्याय गारंटी की घोषणा सरकारी नौकरियों में मिलेगा 50 प्रतिशत आरक्षण

धुले। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि लोकसभा चुनाव में अगर उनकी पार्टी सत्ता में आती है तो पांच ''महिला न्याय गारंटी दी जाएगी जिनमें गरीब महिलाओं के बैंक खातों में सालाना एक लाख रुपए जमा किए जाने के साथ ही सरकारी नौकरियों में 50 प्रतिशत आरक्षण शामिल हैं।' भारत जोड़ो न्याय यात्रा के तहत महाराष्ट्र के धुले जिले में एक महिला रैली को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने यह भी वादा किया कि मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता (आशा), आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और मध्याह्न भोजन योजनाओं में कार्यरत महिलाओं के लिए बजट में केंद्र सरकार की हिस्सेदारी दोगुनी हो जाएगी। उन्होंने कहा कि महिलाओं को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करने और उनके मामले लड़ने के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाएगा। गांधी ने यह भी कहा कि देश के हर जिले में महिलाओं के लिए सावित्रीबाई फुले छात्रावास स्थापित किए जाएंगे। राहुल गांधी के भाषण से पहले पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने एक वीडियो बयान में कहा था कि महालक्ष्मी गारंटी के तहत गरीब महिलाओं के बैंक खातों में सालाना एक लाख रुपये जमा कराए जाएंगे।

जनता की आवाज सुने केंद्र: प्रियंका

नयी दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा दिए जाने की मांग का समर्थन करते हुए बुधवार को कहा कि केंद्र सरकार को अपनी 'हठधर्मिता छोड़कर इस केंद्रशासित प्रदेश की जनता की आवाज सुननी चाहिए। उन्होंने लद्दाख के पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के अनशन का वीडियो सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर साझा किया। प्रियंका गांधी ने दावा किया, ''भाजपा ने लद्दाख की जनता से पूर्ण राज्य का दर्जा देने का वादा किया था लेकिन पूरा नहीं किया। एक तरफ बढ़ता चीनी कब्जा और दूसरी तरफ भाजपा सरकार की चुप्पी, वादाखिलाफी और धोखा। लद्दाख की जनता का विश्वास टूट रहा है। उन्होंने कहा, ''बार-बार प्रदर्शनों के बीच लद्दाख के शिक्षाविद एवं पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक जी दर्जनों लोगों के साथ माइनस 15 डिग्री तापमान में आठ दिन से अनशन कर रहे हैं।

धर्म के आधार पर नागरिकता देना देश के खिलाफ–बर्क

संभल। यूपी संभल सपा सांसद डॉ शफीकुर्रहमान बर्क के पौत्र और मुरादाबाद की कुंदरकी विधानसभा से विधायक जियाउर्रहमान बर्क उर्फ जूनियर बर्क ने केंद्र सरकार को खुली चुनौती दी है। जूनियर बर्क ने सीएए नोटिफिक्केशन पर अपना कड़ा विरोध जताया है। उन्होंने कहा कि इसके खिलाफहम सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटा सकते है। उन्होंने सीएए पर कहा की जिस तरह से पूर्व में उनके दादा सीएए और एनआरसी का विरोध करते आये थे, वो भी उसी तरह से इस कानून का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि धर्म के आधार पर नागरिकता देना देश और लोकतंत्र दोनों के खिलाफहै। अगर सीएए एन आर सी के जरिए किसी की नागरिकता रद्द की जाएगी तो हम किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करेंगे। हम इसका पूरी तरह विरोध करेंगे, सभी धर्मों के लोगों को नागरिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने

कहा कि सीएए लेकर जो नोटिफिक्केशन जारी हुआ है वह सरासर गलत है।

भारत में लोकतंत्र है, और हिंदुस्तान को आजाद कराने के लिए सभी धर्मों के लोगो ने कुर्बानियां दी है। हमारे धर्म के लोगों को इस कानून में विरोध है। गृह मंत्री अमित शाह कहते है कि मुसलमानो को गुमराह किया जा रहा है। इससे किसी की नागरिकता नही छिनेगी। उन्होंने कहा कि हम मानते है, लेकिन हमारा सवाल ये है कि जो आप नागरिकता देने का काम कर रहे हो पाकिस्तान और बंग्लादेश से मुस्लिम समाज के अलावा जो दूसरे धर्मों के लोगो को नागरिकता दे रहे हो तो पहले तो ये बताओ जो हमारे देश के 140 करोड़ लोग ये जानना चाहते है उन्हें तो आप रोजगार दे नही पा रहे हो, तो आप दूसरे लोगो को उनका हक कैसे दे पाओगे.....उन्होंने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण बात है यह है कि अपने मुस्लिम शब्द हटा कर सब धर्मों को शामिल किया है। तो हम पूछना चाहते है, आखिर मुसलमानो ने कौन सा गुनाह किया है, जो मुसलामन दूसरे देश से आये है आप उन्हें भी नागरिकता देने का काम करे। उन्होंने कहा कि वैसे तो हमे केंद्र सरकार से इस पर कोई उम्मीद नही लगती है। अगर इसमें एमेंडमेंट कर ले तो अच्छी बात है वरना फिर हम अपनी कौम के जिम्मेदार लोगों से बात करके सुप्रीम सुप्रीम कोर्ट जाने के लिए तैयार है।

जब घूंघट डॉलकर अस्पताल पहुंची आईएस अफ्सर

खुली पोल,रजिस्टर में साइन पर गायब थे कर्मचारी

लखनऊ (यूएनएस)। फिल्मों में देखा होगा कि कोई अफ्सर औचक निरीक्षण करने के लिए गोपनीय तरीके से मौके पर पहुंच जाए, जिससे कोई उसे पहचान नहीं सके। लेकिन उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में ऐसा रियल में हुआ है।आईएए अफ्सर कृति राज एक सरकारी अस्पताल के हालात देखने के लिए घूंघट डालकर मरीज बनकर पहुंच गई।

मामला फिरोजाबाद के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दीदामई का है। जहां कुछ दिन पहले आईएएस ऑफिसर कृति राज शिकायत मिली थी कि यहां पर मरीजों से अस्पताल का स्टॉफऔर डॉक्टर ना तो ठीक से व्यवहार करते हैं और ना ही समय पर इलाज करते हैं। एक मरीज ने बताया था कि वह एंटी रेबीज के इंजेक्शन लगवाने के लिए यहां पहुंचे थे। अस्पताल में मरीजों की लंबी लाइन लगी थीं, लेकिन डॉक्टर नदारद थे। बस इसी शिकायत पर हकीकत जानने एसडीएम मौके पर पहुंची थीं। आईएएस ऑफिसर कृति राज अस्पताल पहुंची तो चुपचाप घूंघट डालकर लोगों की लाइन में पर्ची कटवाने के लिए लाइन में लग गईं। कुछ देर बाद पर्ची कटवाई और डॉक्टर से मुलाकात भी हो गई, लेकिन डॉक्टर ने उनके साथ ठीक से व्यवहार नहीं किया। इसके अलावा और भी कई ऐसी सीन देखने को मिले जो नियमों के खिलाफथे। काफी दवाईयां एक्सपायर होने के बाद भी स्टोर में रखी हुई थीं।

सीएए के बारे में झूठ फैलाना बंद करे विपक्ष:रविशंकर प्रसाद

नयी दिल्ली संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) को लागू करने को लेकर केंद्र सरकार की आलोचनाओं के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को विपक्षी दलों पर आरोप लगाया कि वे इस कानून के बारे में झूठ फैलाकर सांप्रदायिक भावनाएं भड़का रहे हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जैसे विपक्षी नेताओं पर कानून की तीखी आलोचना करने के लिए निशाना साधा और कहा कि यह कानून किसी भारतीय की नागरिकता या फिर नौकरी नहीं छीनता है। केजरीवाल के इस दावे के संदर्भ में कि केंद्र की भाजपा सरकार भारतीयों को नौकरी नहीं दे सकती, लेकिन पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से आने वालों को देना चाहती है, प्रसाद ने कहा कि आम आदमी पार्टी के नेता ने बहुत अजीब बयान दिया है। प्रसाद ने जोर देकर कहा कि यह कानून उन अल्पसंख्यकों के लिए है जिन्हें तीन देशों में उनके धार्मिक विश्वास के कारण सताया गया। उन्होंने कहा कि ये लोग भारत में कठिन जीवन जी रहे हैं और क्या उन्हें नागरिकता देने में देश नैतिक, सांस्कृतिक और संवैधानिक रूप से सही नहीं है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने स्पष्ट कर दिया है कि सीएए नागरिकता देने के लिए है और यह किसी की नागरिकता नहीं छीनता है। प्रसाद ने कहा कि विपक्षी

दल यह दुष्प्रचार क्यों फैला रहे हैं। साथ ही उन्होंने सवाल किया कि क्या वे रोहिंग्याओं के समर्थन में खड़े होंगे। उन्होंने कहा, जो लोग सीएए के नाम पर सांप्रदायिक भावनाएं भड़का रहे हैं, मैं उनसे कहूंगा कि वे इसके बारे में झूठ फैलाना बंद करें।श्श् प्रसाद ने दावा किया कि बनर्जी की जमीन खिसक रही है और यही कारण है कि वह सीएए के मुद्दे को सांप्रदायिक रंग देने के लिए मजबूर हैं। उन्होंने दक्षिण भारत खासकर केरल और तमिलनाडु के राजनीतिक दलों से अपील की कि वे नफरत फैलाना बंद करें। उन्होंने दावा किया कि आलोचकों के पास कानून के खिलाफकोई तर्क नहीं है। उन्होंने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि इन सभी का राजनीतिक आधार डूब रहा है।

दिल्ली में 2 नए मेट्रो कॉरिडोर को कैबिनेट की मंजूरी:अनुराग ठाकुर

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने लोकसभा चुनाव से पहले राजधानी दिल्ली के लोगों को दो मेट्रो लाइनों की सौगात दी है। पहली लाइन लाजपत नगर से साकेत जी ब्लॉक तक तथा दूसरी इंद्रलोक से इन्द्रप्रस्थ तक होगी। सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को यहां हुई मंत्रिमंडल की बैठक के बाद संवाददाताओं को जानकारी दी। केंद्रीय मंत्री ने कहा, बैठक में दिल्ली में मेट्रो के चौथे चरण के तहत दो मेट्रो लाइनों के निर्माण को मंजूरी दी गयी है। उन्होंने कहा कि पहली लाइन इन्द्रलोक से इन्द्रप्रस्थ के बीच होगी और इसकी लंबाई 12. 377 किलोमीटर होगी तथा यह ग्रीन लाइन का विस्तार होगा। दूसरी लाइन लाजपत नगर से साकेत जी ब्लॉक के बीच होगी जिसकी लंबाई 8. 385 किलोमीटर होगी। उन्होंने कहा कि इन दोनों लाइनों पर 8399 करोड़ रूपए का खर्च होंगे, जिसमें से 10547 करोड़ रूपए केंद्र सरकार और 1987 करोड़ रूपए दिल्ली सरकार वहन करेगी।

राज्यकर्मचारी संयुक्त परिषद ने घोषित किया मतदाता जागरण अभियान का कार्यक्रम

लखनऊ। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने लोकसभा चुनाव में मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से कर्मचारियों के माध्यम से मतदाता जागरूकता अभियान चलाने का निर्णय लिया है। इस आशय की जानकारी आज लखनऊ में राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष जे एन तिवारी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में दिया है। उन्होंने अवगत कराया है कि एक मजबूत लोकतंत्र के लिए अधिक से अधिक मतदान की आवश्यकता होती है। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद का पूरा प्रयास है कि लोकसभा में शत प्रतिशत मतदान सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद की जनपद शाखाओं को निर्देश भेजे जा रहे हैं।

चैत्र नवरात्रि में घोड़े पर सवार होकर आ रहीं मां दुर्गा, घटस्थापना का मुहूर्त जानें

चैत्र नवरात्रि 2024 : हिंदू धर्म में 9 दिन की नवरात्रि का बड़ा महत्व है. इन 9 दिनों में मां दुर्गा के 9 रूपों की पूजा की जाती है. ये नवरात्रि साल में 4 बार आती हैं. इनमें से 2 गुप्त नवरात्रि और 2 प्रत्यक्ष नवरात्रि होती हैं. चैत्र महीने की नवरात्रि प्रत्यक्ष नवरात्रि होती हैं. इसके अलावा अश्विन मास की नवरात्रि भी प्रत्यक्ष नवरात्रि होती हैं, इन्हें शारदीय नवरात्रि कहते हैं. चैत्र नवरात्रि से ही हिंदू नववर्ष की शुरुआत होती है. इसी दिन गुड़ी पड़वा पर्व मनाया जाता है. वहीं चैत्र नवरात्रि के आखिरी दिन राम नवमी मनाई जाती है. राम नवमी भगवान राम के जन्मोत्सव का दिन है.

चैत्र नवरात्रि 2024 कब से कब तक हैं? : हिंदू पंचांग के अनुसार चैत्र मास की प्रतिपदा तिथि 8 अप्रैल 2024 को रात 11 बजकर 50 मिनट से शुरू होंगी और 9 अप्रैल की रात 8 बजकर 30 मिनट पर समाप्त होंगी. उदयातिथि के अनुसार चैत्र नवरात्रि 9 अप्रैल 2024 से आरंभ हो रही है, जो 18 अप्रैल को समाप्त होंगी. 9 अप्रैल 2024, मंगलवार को गुड़ी पड़वा पर्व मनाया जाएगा. यह मराठी लोगों का प्रमुख पर्व है और महाराष्ट्र में गुड़ी पड़वा बहुत धूमधाम से मनाया जाता है.

चैत्र नवरात्रि घटस्थापना का मुहूर्त 2024 : चैत्र नवरात्रि पर घटस्थापना का शुभ मुहूर्त 9 अप्रैल को सुबह 6 बजकर 11 मिनट से 10 बजकर 23 मिनट तक है. वहीं घटस्थापना के लिए अभिजीत मुहूर्त 9 अप्रैल को दोपहर 12 बजकर 03 मिनट से 12 बजकर 54 मिनट तक रहेगा. चैत्र नवरात्रि में घटस्थापना करने और 9 दिन पूजा–व्रत करने से जीवन में अपार सुख–समृद्धि मिलती है.

चैत्र नवरात्रि के 9 दिन और तारीख :–

चैत्र नवरात्रि का पहला दिन : 09 अप्रैल 2024, मंगलवार–मां शैलपुत्री पूजा, घटस्थापना

चैत्र नवरात्रि का दूसरा दिन : 10 अप्रैल 2024, बुधवार–मां ब्रह्मचारिणी पूजा

चैत्र नवरात्रि का तीसरा दिन : 11 अप्रैल 2024, गुरुवार–मां चंद्रघंटा पूजा

चैत्र नवरात्रि का चौथा दिन : 12 अप्रैल 2024, शुक्रवार–मां कुष्मांडा पूजा

चैत्र नवरात्रि का पांचवां दिन : 13 अप्रैल 2024, शनिवार –मां स्कंदमाता पूजा

चैत्र नवरात्रि का छठा दिन : 14 अप्रैल 2024, रविवार–मां कात्यायनी पूजा

चैत्र नवरात्रि का सातवां दिन : 15 अप्रैल 2024, सोमवार–मां कालरात्रि पूजा

चैत्र नवरात्रि का आठवां दिन : 16 अप्रैल 2024, मंगलवार–मां महागौरी पूजा और दुर्गा महा अष्टमी पूजा

चैत्र नवरात्रि का नौवां दिन : 17 अप्रैल 2024, बुधवार–मां सिद्धिदात्री पूजा, महा नवमी और रामनवमी

अस्वीकरण : यहां दी गई जानकारी सामान्य मान्यताओं और जानकारियों पर आधारित है.

इन पांच जगहों पर कभी नहीं बसाना चाहिए घर, भविष्य में होती है परेशानी

आज भी आचार्य चाणक्य की रणनीति पूरे विश्व में विख्यात है। आचार्य चाणक्य ने अपनी नीतियों के बल पर एक साधारण बालक चंद्रगुप्त को मधग का सम्राट बना दिया था। उन्होंने अपने नीतिशास्त्र में निजी जीवन, नौकरी, व्यापार, रिश्तें, मित्रता, शत्रु आदि जीवन के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार साझा किए हैं।

आचार्य चाणक्य ने अपनी नीतिशास्त्र में व्यक्ति के निजी जीवन, नौकरी, व्यापार, रिश्ते, मित्र, शत्रु संबंधि विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से अपने विचार साझा किए हैं। चाणक्य नीति कहती है कि मनुष्य का जीवन अनमोल है। इस जीवन को यदि सफल और सार्थक बनाना है, तो हर किसी को कुछ बातों का हमेशा ध्यान रखना चाहिए। साथ ही आचार्य चाणक्य ने अपनी किताब चाणक्य नीति में एक श्लोक लोकयात्रा भयं लज्जा दाक्षिण्यं त्यागशीलता। पञ्च यत्र न विद्यन्ते न कुर्यात्तत्र संगतिम्।। के माध्यम से बताया है कि मनुष्य को किन जगहों पर घर नहीं बसाना चाहिए। इन जगहों पर घर बसाने से व्यक्ति को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। चलिए जानते हैं इसके बारे में.....

1. आचार्य चाणक्य कहते हैं कि जहां पर लोक–लाज का भय नहीं होता है, ऐसी जगह पर भी घर नहीं बनाना चाहिए। वहीं जिस जगह सामाजिक भाव सबसे ऊपर होता है, वहां पर घर बसाना सबसे अच्छा माना जाता है।

2. आचार्य चाणक्य के अनुसार जिस देश में आदर–सम्मान न हो, जहां आजीविका का कोई साधन न हो, जहां कोई बंधु–बांधव, रिश्तेदार भी न हों तथा किसी प्रकार की विद्या और गुणों की प्राप्ति की संभावना न हो, ऐसी जगह को छोड़ देना चाहिए। दरअसल, व्यक्ति किसी अन्य देश अथवा किसी अन्य स्थान पर इसलिए रहना चाहता है, ताकि वहां जाकर कोई नयी बात, नयी विद्या, रोजगार और नया गुण सीख सके। लेकिन जहां इनमें से किसी भी बात की संभावना न हो, ऐसे देश या स्थान पर जाने का कोई औचित्य नहीं।

3. चाणक्य नीति के अनुसार जिस जगह वेद को जानने वाला ब्राह्मण, धनिक, राजा, नदी और वैद्य न हों, उस स्थान पर मनुष्य को एक दिन भी नहीं रहना चाहिए।

4. चाणक्य नीति के मुताबिक जिस देश के लोगों में दान देने की भावना ना हो ऐसे स्थान पर भी नहीं रहना चाहिए, क्योंकि दान देने से ना सिर्फ पुण्य की प्राप्ति होती है, बल्कि अंतरात्मा भी पवित्र होती है।

5. साथ ही आचार्य चाणक्य कहते हैं कि व्यक्ति को उस जगह पर रहना चाहिए, जहां व्यक्ति अपने स्वार्थ के लिए कानून न तोड़े। बल्कि दूसरों के हित के लिए कार्य करे एवं समाज सेवा करे। जहां लोग मिलजुल कर रहते हैं व्यक्ति को ऐसी जगह पर रहना चाहिए।

इन 5 लोगों को नहीं खाना चाहिए पपीता, फायदे की जगह हो जाएगा नुकसान

सेहत के गुणों से भरपूर पपीता कई लोगों के लिए हानिकारक भी है. इन 5 लोगों को भूलकर भी नहीं करना चाहिए पपीते का सेवन. पपीता एक ऐसा फल है जिसे खाना ज्यादातर लोग पसंद करते हैं. सबसे ज्यादा पपीते का सेवन वो लोग करते हैं जो वजन को कम करना चाहते हैं. पपीते में मौजूद गुण शरीर को कई लाभ पहुंचाने का काम करते हैं. लेकिन क्या आप ये जानते हैं कि पपीते के कुछ दुष्प्रभाव भी हैं. पीला पपीता डायटरी फाइबर का एक हेल्दी स्रोत है. पपीत में कैलोरी और फैट कम मात्रा में होते हैं. जो वजन को कम करने में मदद कर सकते हैं. सेहत के गुणों से भरपूर पपीता कई लोगों के लिए हानिकारक भी है. तो चलिए जानते हैं किन लोगों को नहीं करना चाहिए पपीते का सेवन.

पपीता खाने के नुकसान :–

1. डिहाइड्रेशन :– पपीता एक रेशेदार फल है और इसका अधिक मात्रा में सेवन करने पर दस्त की समस्या हो सकती है. जरूरत से ज्यादा पपीते का सेवन करने से डिहाइड्रेशन की समस्या हो सकती है.

2. कब्ज :– अधिक मात्रा में पपीते का सेवन करने से शरीर में नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है. अत्यधिक फाइबर के सेवन से भी कब्ज की समस्या हो सकती है.

3. गर्भावस्था :– गर्भावस्था के दौरान कच्चे या आधे पके पपीते का सेवन करना असुरक्षित हो सकता है. गर्भावस्था के दौरान पपीते का सेवन हानिकारक हो सकता है.

4. एलर्जी :– पपीते में मौजूद एंजाइम पपैन एक शक्तिशाली एलर्जेन है. इसलिए पपीते का अत्यधिक सेवन कई रेस्पिरेटरी विकारों को ट्रिगर कर सकता है. कुछ लोगों को पपीता खाने से एलर्जी हो सकती है.

5. पाचन तंत्र :– पपीता खाने से आपका गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सिस्टम खराब हो सकता है. अगर आपको पेट संबंधी समस्या है तो आप अधिक मात्रा में पपीते का सेवन करने से बचे. जरूरत से ज्यादा पपीते का सेवन पाचन तंत्र की समस्या को बढ़ा सकता है.

अस्वीकरण : सलाह सहित यह सामग्री केवल सामान्य जानकारी प्रदान करती है. यह किसी भी तरह से योग्य चिकित्सा राय का विकल्प नहीं है. अधिक जानकारी के लिए हमेशा किसी विशेषज्ञ या अपने चिकित्सक से परामर्श करें.

अखिल भारतीय सर्वभाषा संस्कृति समन्वय समिति

नेपाल साहित्य महोत्सव में होगा सर्वभाषा कवि सम्मेलन

नई दिल्ली– भारत की एक मात्र वैश्विक साहित्यिक संस्था अखिल भारतीय सर्वभाषा संस्कृति समन्वय जो कि देश की समस्त प्रादेशिक भाषाओं के विकास एवं संवर्धन को समर्पित है अपने 20 वें राष्ट्रीय अधिवेशन में सर्वभाषा कवि सम्मेलन का आयोजन करने जा रही है। नेपाल की राजधानी काठमांडू में आगामी 19/20/21 जून को आयोजित इस सर्वभाषा कवि सम्मेलन में पटना बिहार से डॉ रत्नेश्वर सिंह, (भोजपुरी), मुंबई, महाराष्ट्र से डॉ दमयन्ती शर्मा दीपा/(कुमांउनी) / गुरुग्राम, हरियाणा से राजेश प्रभाकर (हरियाणवी) /नई दिल्ली से उमंग सरीन (पंजाबी)/गढ़वाल की राजधानी देहरादून से सुमन सैनी (गढ़वाली) / हल्द्वानी, उत्तराखंड से सौम्या दुआ (सरायकी) / नई दिल्ली से रंजना मजूमदार (बांग्ला)/ नोएडा, उत्तर प्रदेश से डॉ ममता वार्ष्णेय (ब्रजभाषा) / नोएडा, उत्तर प्रदेश से डॉ ?पुष्पलता भट्ट 'पुष्प (कुमाऊँनी) / वडोदरा, गुजरात से डॉ राखी सिंह कटियार (गुजराती / दमोह मध्यप्रदेश से (डॉ प्रेमलता नीलम (बुंदेली) /काठमांडू नेपाल से राजेन्द्र शलभ और मोनी विजय (नेपाली) / सवाई माधोपुर राजस्थान से डॉ मधु मुकुल चतुर्वेदी (राजस्थानी) और डॉ कविता सिंह प्रभा (मैथिली) में कविता पाठ करेंगी।

बबलू महिंद्रा ने श्री खाटू श्यामजी मंदिर परिसर में चौबीसवें सुंदर काण्ड की आरती कर शुभारम्भ किया

इटावा। निर्माणाधीन श्रीखाटू श्यामजी मंदिर परिसर इकदिल पर सुंदर काण्ड का चौबीसवां आयोजन सनातन धर्म प्रेमियों के उत्साह और प्रभु गुणगान से सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ पूजन आरती का शुभारम्भ मुख्य अतिथि जनपद के प्रसिद्ध उद्योगपति पंकज तिवारी उर्फ बबलू महिंद्रा ने अपनी पत्नी सीमा तिवारी के साथ किया इस अवसर पर व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष श्री सन्तोष सिंह चौहान, महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुनीता कुशवाह, अनुपम अवस्थी, सुनीत चौहान, रामदास बाथम, कृष्ण गोपाल सक्सेना , साहब सिंह शंखवार, जय प्रकाश उपाध्याय, देव मिश्रा, अरुण दीक्षित, वकील सिंह पाल, हीरालाल बाथम, राजकुमार दीक्षित, कृष्ण अवतार मिश्रा, मनोज तिवारी, संजीव दुबे, रविंद्र पाल, दीपक दुबे, राजनारायण दुबे, मुकेश दिवाकर, अशोक तिवारी, हरिश्चंद्र दिवाकर, बसंत राजपूत, गोविंद सिंह राजपूत, श्रीकृष्ण राजपूत, शशीवाला त्रिपाठी एड., प्राची सक्सेना, मोनिका अग्निहोत्री, ममता मिश्रा, गुंजन मिश्रा, जगश्री देवी, विमलेश चतुर्वेदी, ममता देवी,आराध्या त्रिपाठी, सौम्या, श्रीआ, अरुण जाटव, लकी, मनोज दुबे, शिव, हरिशंकर चौबे, शिव शंकर शाक्य आदि ने सुन्दर काण्ड के आयोजन में भाग लेकर प्रभु का गुणगान किया आरती के बाद प्रसाद वितरण किया गया सेवाश्रम के वरिष्ठ कार्यकर्ता लालजी दुबे ने खाटू श्यामजी का अंग वस्त्र ओढ़ाकर और सेवाश्रम कार्यकर्ताओं ने मुख्य अतिथि का माल्यार्पण कर स्वागत किया सेवाश्रम प्रमुख चौधरी अमित त्रिपाठी और सेवाश्रम जिलाध्यक्ष शिवभूषण सिंह चौहान ने मुख्य अतिथि को श्रीखाटूनरेश का प्रतीक चिन्ह भेंट किया आयोजन सफल बनाने के लिए सभी भक्तजनों का आभार व्यक्त किया ।

कार्यकर्म के अंत में सभी भक्तों ने जय श्री राम, जय हनुमान , खाटू श्याम बाबा के जयकारे लगाए ।

पावर स्टार पवन सिंह लड़ेंगे चुनाव

नयी दिल्ली। भोजपुरी पावर स्टार पवन सिंह ने लोकसभा चुनाव लड़ने का निर्णय किया है। इसकी जानकारी खुद पवन सिंह ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए दी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पवन सिंह को पश्चिम बंगाल की आसनसोल सीट से चुनाव मैदान में उतारने की घोषणा की थी। लेकिन, सोशल मीडिया पर विरोध होने के चलते उन्होंने लोकसभा चुनाव लड़ने में असमर्थता जताई थी। इसी बीच बुधवार को उन्होंने चुनाव लड़ने का फैसला लिया। पवन सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, मैं अपने समाज, जनता जनार्दन और मां से किया हुआ वादा पूरा करने के लिए चुनाव लड़ूंगा। आप सभी का आशीर्वाद एवं सहयोग अपेक्षित है। जय माता दी। इससे पहले पवन सिंह ने आसनसोल से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ने में असमर्थता जताई थी।

राजभर का बढ़ा कद,कई मंत्रियों का भार हुआ कम

अन्य सहयोगियों को नही मिली ज्यादा तरजीह

लखनऊ (यूएनएस)। योगी सरकार में नए मंत्री ओम प्रकाश राजभर को विभागों के बटवारे में खास तवज्जो मिली है। उन्हें दो महत्वपूर्ण विभाग पंचायती राज व अल्पसंख्यक कल्याण विभाग मिले हैं। राजभर का कद अब बढ़ गया है। अन्य सहयोगी रालोद के साथ ऐसा नहीं हुआ। राज्यमंत्री अजीत पाल अब विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री व आईटी मंत्री से संबद्ध हो गए। कारागार विभाग के राज्यमंत्री अब नए कारागार कैबिनेट मंत्री दारा सिंह से संबंद्ध हो गए हैं। ओम प्रकाश राजभर को खासी अहमियत मिली है। उन्हें पिछली बार पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग दिया गया था। इस विभाग को कई अहम विभागों के मुकाबले कम महत्व का माना जाता है। बाकी तीन मंत्रियों को दिए गए विभाग अपेक्षाकृत हल्के माने जाते हैं। रालोद के कोटे से मंत्री बने अनिल कुमार को हल्का विभाग विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी दिया गया है जबकि भाजपा के सुनील शर्मा को भी हल्का विभाग इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मिला है।नए मंत्रियों को विभाग देने के लिए मुख्यमंत्री ने दूसरे मंत्रियों के विभाग कम दिए। इससे एक ओर नए मंत्रियों के लिए विभागों का इंतजाम हो गया तो दूसरी ओर कुछ मंत्रियों का कद भी छांट दिया गया। मुख्यमंत्री ने मंत्रियों को विभाग देने के लिए दूसरे मंत्रियों के विभागों में कटौती कर दी।

इन मंत्रियों के पास दो-दो विभाग थे। इन मंत्रियों में योगेंद्र उपाध्याय, धर्मपाल सिंह, स्वतंत्र प्रभार के राज्यमंत्री धर्म वीर प्रजापति हैं। तीनों का बोझ हल्का किया गया है। धर्मवीर प्रजापति से कारागार लिया गया है। उनके पास होमगार्ड पहले से ही था। अब नागरिक सुरक्षा विभाग भी दिया गया है।

धर्मपाल सिंह के पास अब अल्पसंख्यक कल्याण हट गया और पशुधन विभाग, दुग्ध विकास व राजनैतिक पेंशन विभाग बचा है। योगी मंत्रिमंडल में एके शर्मा को कद्दावर मंत्री माना जाता है। नौकरशाह रह चुके एके शर्मा बतौर मंत्री नगर विकास के साथ-साथ ऊर्जा विभाग संभाल रहे हैं। इसके अलावा उनके पास अतिरिक्त ऊर्जा विभाग भी हैं। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के पास ग्राम विकास, खाद्य प्रसंस्करण, सार्वजनिक उद्यम विभाग है तो उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक के पास चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, परिवार कल्याण तथा मातृ एवं शिशु कल्याण विभाग हैं। मंत्री जयवीर सिंह के पास पर्यटन व संस्कृति विभाग हैं। मंत्री राकेश सचान के पास एमएसएमई, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग विभाग हैं। वैसे ज्यादातर मंत्रियों के पास अब एक-एक विभाग ही है।मुख्यमंत्री ने अपने पास 35 विभाग रखे हैं। इनमें नियुक्ति, कार्मिक, गृह, सतर्कता, आवास एवं शहरी नियोजन, राजस्व, खाद्य एवं रसद, नागरिक आपूर्ति, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, भूतत्व एवं खनिकर्म, अर्थ एवं संख्या, राज्य कर एवं निबन्धन, सामान्य प्रशासन, सचिवालय प्रशासन, गोपन, सूचना, निर्वाचन, संस्थागत वित्त, नियोजन, राज्य सम्पत्ति, उप्र पुनर्गठन समन्वय, प्रशासनिक सुधार, कार्यक्रम कार्यान्वयन, अवस्थापना, भाषा, अभाव सहायता एवं पुनर्वास, लोक सेवा प्रबन्धन, किराया नियंत्रण, प्रोटोकॉल, सैनिक कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल, नागरिक उड्डयन, न्याय एवं विधायी विभाग धर्मार्थ कार्य शामिल हैं।

लोकसभा चुनाव को लेकर प्रत्याशियों के चयन के लिए समिति का गठन

लखनऊ (यूएनएस)। अखिल भारत हिन्दू महासभा, उत्तर प्रदेश प्रदेश कैंप कार्यालय, कुर्सी रोड में लोकसभा चुनाव की तैयारी को लेकर बैठक हुई। जिसमें उत्तर प्रदेश की सभी सीटों पर चुनाव लड़ने को लेकर प्रत्याशियों का चयन संबंधित पांच सदस्यीय लोकसभा चुनाव समिति का गठन किया गया। जिसमें हिन्दू महासभा उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष ऋषि कुमार त्रिवेदी, चंद्रमौली शुक्ला, राजकुमार सिंह, सिद्धार्थ दुबे, संजय श्रीवास्तव को सदस्य बनाया गया है। बैठक के बाद प्रदेश अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी ने बताया कि प्रदेश की चयन समिति लोकसभा प्रत्याशियों का चयन कर सूची तैयार कर राष्ट्रीय कार्यालय को जल्द प्रेषित करेगी। मालूम हो कि हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी चक्रपाणि ने पूरी तैयारी के साथ आगामी लोकसभा चुनाव में उतरने की घोषणा कर चुके हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष की घोषणा के बाद से हिन्दू महासभा उत्तर प्रदेश इकाई राज्य में चुनाव लड़ने की तैयारी शुरू कर दी है जिसके परिप्रेक्ष्य में आज बैठक कर उत्तर प्रदेश में प्रत्याशियों के चयन के लिए चयन समिति का गठन किया गया।

'नो स्मोकिंग डे' पर संगोष्ठी, तम्बाकू न सेवन करने की अपील

लखनऊ (यूएनएस)।''नो स्मोकिंग डे'' के अवसर पर डा ब्रजेश राठौर महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय उत्तर प्रदेश की अध्यक्षता में गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में डा. बीपीएस कल्याणी निदेशक (स्वास्थ्य), राज्य नोडल अधिकारी, राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम, संयुक्त निदेशक (मुख्यालय), राज्य कार्यक्रम अधिकारी, एनपी-एनसीडी, संयुक्त निदेशक(दन्त), सतीश त्रिपाठी, राज्य सलाहकार, एनटीसीपी, विवेक अवस्थी यूपीवीएचए एवं महानिदेशालय के अन्य अधिकारीगण व कर्मचारीगण उपस्थित रहे। इस अवसर पर राज्य नोडल अधिकारी बताया गया तम्बाकू सेवन जनस्वास्थ्य के लिए एक बड़ी समस्या के रूप में वैश्विक स्तर पर उभर रहा है। तम्बाकू का सेवन किसी भी रूप में किया जाए, स्वास्थ्य के लिए अत्यन्त हानिकारक है। तम्बाकू सेवन से अनेक बीमारियां होती है। जिसमें नपुंसकता व बांझपन एवं कैंसर प्रमुख रूप से है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य परिवार सर्वेक्षण के अनुसार उत्तर प्रदेश में तम्बाकू उपभोगकर्ता 44.1 प्रतिशत है। जो कि अत्यन्त भयावह स्थिति है। जिससे भविष्य में अनेक असंचारी रोगों को बढ़ावा मिलेगा। डा. बीपीएस कल्याणी, निदेशक (स्वास्थ्य), स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय उत्तर प्रदेश द्वारा प्रदेश में संचालित सिगरेट एवं अन्य तम्बाकू उत्पाद (विज्ञापन का प्रतिषेध और व्यापार तथा वाणिज्य, उत्पाद, प्रदाय और वितरण व अधिनियम के विषय मे बताया। डा ब्रजेश राठौर द्वारा सभी उपस्थित प्रतिभागियों को स्वयं तम्बाकू किसी भी रूप में प्रयोग न करने की शपथ दिलाई गयी।

बिजली डिमाण्ड पहुचेगी 32 हजार मेगावाट

लखनऊ (यूएनएस)। इस बार गरमी में प्रदेश में बिजली की डिमाण्ड लगभग 32 हजार मेगावाट पहुंच सकती है जो महाराष्ट्र के बराबर होगी। ऐसी स्थिति में निगम प्रबंधन को नीचे से लेकर उपर तक कड़ी तैयारी करनी होगी। यही नही कुछ राहत प्रदेश को बैंकिंग खरीद की बिजली एवं कुछ राहत ओबरा और जवाहरपुर के अतिरिक्त उत्पादन से मिलेगी। उपभोक्ता परिषद के अनुसार जिस प्रकार से मौसम करवट ले रहा है इससे अनुमान है कि उत्तर भारत में इस बार प्रचंड गर्मी आने वाली है। ऐसे में गर्मी बढते ही बिजली की मांग एकाएक बढ जाएगी। भारत सरकार केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा जो वर्ष 2024-25 के लिए अलग-अलग महीने वार पूर्वानुमानित बिजली की पीक डिमांड आकलित की गई है उसमें वित्तीय वर्ष 2024 -25 की बात करें तो महाराष्ट्र को सबसे ज्यादा ,पीक डिमांड जाएगी और बिजली की आवश्यकता होगी। विद्युत प्राधिकरण ने जो अनुमानित पीक डिमांड निकली है वह मार्च 2025 में सबसे ज्यादा महाराष्ट्र की 32640 मेगावाट है। वही बात करें वर्ष 2024 की तो उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य होगा जहां पर सितंबर में ज्यादा 31917 पीक डिमांड अनुमानित की। ऐसे में यह कहना बिल्कुल सही होगा कि वर्ष 2024 में उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य होगा जहां सबसे ज्यादा सितंबर 2024 में बिजली की पीक डिमांड अनुमानित है। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा भारत सरकार केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा जो पूर्वानुमानित पीक डिमांड महीने बार अनुमानित की गई है।

मनरेगा में सामग्री हेतु 06 अरब 34 करोड़ स्वीकृत

लखनऊ (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के क्रम में उत्तर प्रदेश शासन ग्राम्य विकास विभाग द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के अन्तर्गत सामग्री मद में प्रथम भाग की तृतीय किस्त की 6,34,79,66,666 रूपये पर प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुये ग्राम्य विकास आयुक्त के निवर्तन पर रखे जाने एवं व्यय किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गयी है। इस सम्बन्ध में आवश्यक शासनादेश उत्तर प्रदेश शासन ग्राम्य विकास विभाग द्वारा जारी कर दिया गया है।उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि स्वीकृत धनराशि का ससमय सदुपयोग नियमानुसार निर्धारित दिशा-निर्देशो के अनुरूप किया जाए।

समाजवादी मजदूर सभा द्वारा बढ़ती मंहगाई को प्रदर्शन कर,एक दिवसीय भूख-हड़ताल रखा

लखनऊ (यूएनएस)। समाजवादी मजदूर सभा द्वारा भाजपा सरकारी में बढ़ी महंगाई के खिलाफ बेरोजगारी और सरकारी संस्थानों का निजीकरण व निगमीकरण को लेकर परिवर्तन चौक पर प्रदर्शन किया गया। समाजवादी मजदूर सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल निगम वारसी ने बताया बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर के संविधान में दिए गए आरक्षण को खत्म करने की साजिश के विरोध में समाजवादी पार्टी राष्ट्रीय मजदूर सभा की तरफसे एक दिवसीय भूख हड़ताल रखी। जिसमें सन्तोष यादव प्रमुख महासचिव प्रतापगढ़, फरजान रईस हैदर राष्ट्रीय महासचिव, युदुवेन्द्र प्रताप सिंह ,राकेश निषाद सभासद सहित कई लोग मौजूद रहे।

वीरांगना उदा देवी इंटर कॉलेज के बच्चों ने किया शैक्षिक भ्रमण

लखनऊ (यूएनएस)। वीरांगना उदा देवी इंटर कॉलेज, लखनऊ के बच्चों ने शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम के तहत लखनऊ विश्विद्यालय के द्वितीय परिसर में विभिन्न संकाय, संस्थान का भ्रमण किया। विधि संकाय के अधिष्ठाता प्रो. (डॉ) बी डी सिंह व अतिरिक्त छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ अभिषेक तिवारी के निर्देशन में स्कूल से आए हुए बच्चों के लिए करिअर काउंसलिंग व नई शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में विविध करियर के अवसरों के उद्भव के शिखर के विषय में चर्चा की गई। कार्यक्रम की शुरुआत में प्रो डॉ बी डी सिंह ने बच्चो को समय की महत्ता के बारे में बताया और डॉ अभिषेक ने बच्चों को विश्विद्यालय की प्रवेश परीक्षा की प्रकिया और अन्य विभिन्न तरह के पाठ्यक्रम जोकि कक्षा 12 के बाद विश्विद्यालय में उपलब्ध है।

तपस पद यात्रा: में दिया 'नशा मुक्त-शोक मुक्त व रोग मुक्त' का संदेश

भारत के सनातनी गौरव का उत्थान हमारा उद्देश्य: शंकर महादेव

लखनऊ (यूएनएस)। कानपुर:जिला स्थित पिपरगंवा ग्राम करौली स्थित लव-कुश आश्रम के करौली धाम के शंकर महादेव के नाम से विश्व विख्यात गुरुजी (संतोष सिंह भदोरिया) वर्षों से अपने दैनिक आध्यात्मिक कार्यों व सनातन धर्म की दिशा में वैदिक रीति रिवाज से देश-विदेश के जन कल्याणकारी कार्यक्रमों के तहत देश-विदेश में खास चर्चा का विषय बने रहते हैं। गत वर्ष भी असाध्य रोगियों को वैदिक रीति नीति से मात्र एक ही दिन में चंगा करने को लेकर राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय टी-वी चैनलों में करौली सरकार के शंकर महादेव गुरुजी काफी सुर्खियों में रह चुके हैं।इसी कड़ी में उन्होने तपस यात्रा के जरिये अपने रास्ते को तैयार करते हुए पूरे भारत को नशा मुक्त, रोग मुक्त, शोक मुक्त भारत का संदेश देने का लक्ष्य तय किया है।जिसके तहत उन्होंने कठिन व जटिल तपस्या यात्रा व दंडवत यात्रा करने का क्रम पिछले कई महीने से जारी कर रखा है।इसी संकल्प के तहत अब स्वयं करौली शंकर महादेव अपनी तपस्थली के आसन से उठकर स्वयं ''लव कुश आश्रम'' करौली सरकार धाम से पैदल चलकर कानपुर के सरसैया घाट तक शोक मुक्त-रोग मुक्त-नशा मुक्त भारत के संकल्प को लेकर पदयात्रा करने का बीड़ा उठाया है। करौली सरकार के समर्थन में पूरे देश में ''गुरु जी'' के निर्धारित लक्ष्य को लेकर दिन रात शंकर सेना के सदस्य समर्पित हैं। शंकर सेना उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष सुबोध चोपड़ा ने बताया कि यह ''तपस यात्रा'' खास करके उन लोगों की है जो आज गुरु जी की शरण में है वह इस तपस यात्रा में अपनी मनोकामनाओं को पूर्ण करने के लिए सतत प्रयास रत हैं। इसी ''तपस यात्रा'' के गर्भ में करौली सरकार के शंकर महादेव ने एक संकल्प उठाया है कि भारत एक सनातन देश है और यहां सनातन धर्म का प्रचार प्रसार करना हमारे लिए सौभाग्य की बात है। भारत देश की सनातनी गौरव को पूरे विश्व में फैलने का संदेश देने का कार्य है। तपस यात्रा करौली आश्रम से चलकर सरसैया घाट पर यह ''तपस यात्रा'' समाप्त हुई। जहां गंगा मैया को विशाल चुनरी पहनायी गयी दीपदान करते हुए मां गंगा की महाआरती की गयी तथा हजारों श्रद्धालुओं ने भोग भंडारा का प्रसाद ग्रहण किया। साथ ही गुरूजी द्वारा: रुद्राभिषेक के उपरांत आरती व प्रसाद वितरण के पश्चात गुरुजी भक्तगणों को शुभ आशीर्वाद देकर एक संकल्प लेकर वापस करौली आश्रम रवाना हो गये।

राज्यकर्मियों को तोहफा, बढ़ा महंगाई भत्ता

लखनऊ (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश के 16.35 लाख राज्य कर्मचारियों, शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को पहली जनवरी से मूल वेतन के 50 प्रतिशत की दर से महंगाई भत्ता यानि डीए मिलेगा। अभी तक राज्य कर्मचारियों को मूल वेतन का 46 प्रतिशत डीए मिल रहा था।बीते दिनों केंद्र सरकार की ओर से कर्मचारियों के लिए यह निर्णय किए जाने के बाद अब राज्य सरकार ने भी यह फैसला किया है। राज्य कर्मचारियों को चार प्रतिशत की बढ़ी दर से डीए दिए जाने के प्रस्ताव को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से मंजूरी दिए जाने के बाद वित्त विभाग ने मंगलवार को इस संबंध में शासनादेश भी जारी किया है।बढ़े डीए का लाभ राज्य सरकार, सहायताप्राप्त शिक्षण व प्राविधिक शिक्षण संस्थानों और शहरी स्थानीय निकायों के सभी नियमित, पूर्णकालिक कर्मचारियों, कार्य प्रभारित कर्मचारियों और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग वेतनमानों में कार्यरत पदधारकों को मिलेगा। पहली जनवरी से 29 फरवरी तक बढ़े डीए की धनराशि कर्मचारियों के भविष्य निधि खाते जीपीएफमें जमा होगी। कर्मचारियों को मार्च के वेतन के साथ अप्रैल में डीए का नकद भुगतान किया जाएगा। राज्य कर्मचारियों को बढ़ी दर से डीए का भुगतान करने पर राज्य सरकार पर हर महीने 215 करोड़ रुपये का अतिरिक्त व्ययभार आएगा। शासनादेश के मुताबिक बढ़े डीए के एरियर की राशि कर्मचारियों के जीपीएफ खाते में एक मार्च 2025 तक जमा रहेगी और उसे अंतिम निकासी के मामलों को छोड़कर इस तिथि से पहले नहीं निकाला जा सकेगा।राष्ट्रीय पेंशन योजना के दायरे में आने वाले कर्मचारियों को पहली जनवरी जुलाई से 29 फरवरी तक के बढ़े डीए के एरियर की 10 प्रतिशत राशि उनके टियर-1 पेंशन खाते में जमा की जाएगी। राज्य सरकार भी इसमें एरियर के 14 प्रतिशत के बराबर अंशदान देगी, जबकि एरियर की 90 प्रतिशत धनराशि उन्हें राष्ट्रीय बचत पत्र के रूप में दी जाएगी।

कम्प्रेस्ड बायोगैस के उत्पादन को लेकर हुई बैठक

लखनऊ (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश राज्य जैव ऊर्जा नीति-2022 के अन्तर्गत लखनऊ में कम्प्रेस्ड बायोगैस के उत्पादन हेतु फीड स्टाक के रूप में नेपियर घास की खेती को बढ़ावा देने साथ ही कृषकों को प्रेरित करने के लिए मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में बैठक विकास भवन सभागार में की गई। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा बायोगैस उत्पादन हेतु नेपियर घास के विषय मे बताया प्रति वर्ष प्रति एकड़ 150 से 200 टन नेपियर घास की उपज प्राप्त की जा सकती है। जहां पर सिंचाई की सुविधा न हो। वहां भी नेपियर घास की खेती की जा सकती है। एक बार नेपियर घास लगाने के बाद 4 से 5 वर्ष तक फसल देती है। बुआई के बाद पहली फसल 50 से 60 दिनों में तैयार हो जाती है। जिसकी कटाई 40 से 45 दिनों के अन्तर पर की जा सकती है। इसकी खेती से किसानों की आय में काफी बढ़ोत्तरी होगी। मुख्य विकास अधिकारी ने कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। परियोजना अधिकारी द्वारा कम्प्रेस्ड बायोगैस संयंत्रों की स्थापना एवं एपीओ को दिये जाने वाले अनुदान के बारे में जानकारी दी। बैठक में उप कृषि निदेशक डिप्टी आरएमओ, उपायुक्त (श्रम रोजगार), जिला पंचायत राज्य अधिकारी, जिला विकास अधिकारी, एफपीओ संगठन व एग्रीगेटर एवं जैव ऊर्जा उद्यमी मौजूद रहे।

जनवीणा

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सुधा द्विवेदी द्वारा प्रिंट आर्ट आफसेट, 33 कैण्ट रोड, लखनऊ से मुद्रित तथा प्रथम तल, कैपिटल सिनेमा बिल्डिंग, विधानसभा मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ-226001 उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।

सम्पादक- सुधा द्विवेदी
कार्यकारी सम्पादक
डॉ. एस.के.गोपाल
प्रबंध सम्पादक
होमेन्द्र कुमार मिश्र
क्रिएटिव एडिटर
नैमिष सोनी
विशेष संवाददाता
सौरभ कुमार पाण्डेय
संवाददाता
जादूगर सुरेश कुमार
सम्पर्क : 9451532641, 8765919255
ईमेल :janveenanews@gmail.com
RNI No. UPHIN/2011/43668
समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।

राज्यपाल ने प्रदेश के नवनियुक्त मुख्य सूचना आयुक्त तथा दस राज्य सूचना आयुक्तों को शपथ दिलाई

लखनऊ (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने राजभवन में नवनियुक्त मुख्य सूचना आयुक्त उत्तर प्रदेश राज कुमार विश्वकर्मा तथा दस अन्य राज्य सूचना आयुक्तों को शपथ दिलाई। जिसमें सुधीर कुमार सिंह, गिरजेश कुमार चौधरी, डॉ दिलीप कुमार अग्निहोत्री, पदुम नारायण (द्विवेदी), स्वतंत्र प्रकाश, मोहम्मद नदीम, राजेन्द्र सिंह, शकुंतला गौतम, राकेश कुमार व वीरेन्द्र प्रताप सिंह को शपथ दिलाई गई। राज्यपाल ने नवनियुक्त मुख्य सूचना आयुक्त तथा सभी सूचना आयुक्तों को नवीन उत्तरदायित्व प्राप्त होने पर बधाई और सफल कार्य सम्पादन हेतु शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश प्रशांत कुमार, प्रमुख सचिव प्रशासनिक सेवा एवं सचिवालय प्रशासन के रवीन्द्र नायक, सचिव उत्तर प्रदेश सूचना आयोग जेपी चौरसिया, रजिस्ट्रार सूचना आयोग संदीप गुप्ता सहित अन्य अधिकारीगण तथा नवनियुक्त मुख्य सूचना आयुक्त एवं राज्य सूचना आयुक्तों के परिजन भी उपस्थित थे।